Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding reported man handling of two sikhs by Delhi Police

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): सर, जो बीस में आए हैं, उनको तो टाइम मिलना चाहिए । जो बीस के बाहर वाले हैं, उनके लिए एक मिनट का समय है ।

चेयरमैन साहब, मैं सबसे पहले आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे बोलने का टाइम दिया । मुखर्जी नगर में 16 जून, 2019 को शाम का वक्त था । वहां पर सरबजीत सिंह, उम्र- तकरीबन 60 साल और उसका नाबालिग बेटा जो 16 साल का था । वह ग्रामीण सेवा टैम्पू का चालक है । वह अपना टैम्पू चलाकर आ रहा था, उसके पीछे से अचानक दिल्ली पुलिस की एक जिप्सी आयी, उसे रोका और उससे हफ्ता लेने की बात की । जब उसने हफ्ता देने से मना कर दिया तो जिप्सी उसके पीछे-पीछे चलती गई । जब मुखर्जी नगर पुलिस स्टेशन के सामने वह टैम्पू पहुंचा तो वहां पर जिप्सी वालों ने उसे दोबारा रोका ।

उसके सीधा पिस्टल लगाकर उससे हफ्ता मांगने लगे । जब उसने सेल्फ डिफेंस में और बच्चे ने अपने बाप को बचाने की कोशिश की, तो दिल्ली पुलिस वाला पुलिस स्टेशन के अंदर जाकर और पुलिस वालों को लेकर आया । जिन्होंने बिना देखे, सरबजीत सिंह और उसके बेटे को, डण्डों से, राइफलों से और पिस्टलों के बट से बुरी तरह पीटा । इसको सोशल मीडिया पर सबने देखा है ।

HON. CHAIRPERSON : It is a State issue.

श्री रवनीत सिंह: सर, दिल्ली पुलिस किसके अंडर है? आपको यह नहीं पता कि दिल्ली पुलिस होम मिनिस्ट्री, अमित शाह जी के अंडर है । यह स्टेट इश्यू कैसे हो गया? दोनों सिखों को …(व्यवधान) आपको बात सुननी पड़ेगी । …(व्यवधान) हमारे लिए सबसे इंपोर्टेंट पगड़ी और बाल हैं, केश हैं । …(व्यवधान) उसकी पगड़ी उतारी गई और पगड़ी को सड़क पर रौंद दिया गया । बाल जो सिख के लिए सबसे इंपोर्टेंट हैं, बालों को पकड़कर सड़क पर उसे खींचा गया । शर्म की

बात यह है, इसमें धारा 295 ए लगनी चाहिए, वह आज तक नहीं लगी । ... (व्यवधान)

माननीय सभापति: आप कनक्लूड कीजिए ।

श्री रवनीत सिंह: आप एक माइनोरिटी की बात दबाएंगे । मैं अपने धर्म की एक बात कर रहा हूं, आप उसे दबाएंगे । अमित शाह जी, जो 84 की बात कर रहे हैं । ...(व्यवधान) आज अमित शाह जी के मुंह से एक वर्ड नहीं निकला ।... (व्यवधान)

माननीय सभापति: वीरेन्द्र कुमार जी, आप अपनी बात रखिए ।

...(<u>व्यवधान</u>)